NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH
SOLVED ASSIGNMENT OF TERM Ist
CLASS : 8th SESSION 2021
SUBJECT: HINDI Pg no 1.

पाठ-7
प्लास्टिक जनित प्रदूषण

उत्सुक = चाह से व्याकुल, आगमन = आना, जनित = उत्पन्न, दुष्परिणाम = बुरा नतीजा, अवगत = परिचित, नमनीय = गीला, अपघटित = घटित होना, अवयव = भाग, अपशिष्ट = व्यर्थ पदार्थ, कृत्रिम = बनावटी, चक्रण = पुनर्निर्माण, प्रवृत्ति = स्वभाव.

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर.

1. प्रस्तुत लघु नाटिका का नाम प्लास्टिक 'जनित प्रदूषण' है।

2. प्लास्टिक 'प्लाटीकोस' ग्रीक शब्द से निकला है।

3. प्लास्टिक से क्लोरीन, फुलुओरीन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, फॉस्जीन, फार्मेल्डीहाइड आदि रसायन निकलते है।

4. विनाइल क्लोराइड से निर्मित प्लास्टिक से मस्तिष्क यकृत कैंसर हो सकता है। फास्जीन गैस दमा तथा साँस की बीमारियाँ होती हैं। फार्मेल्डीहाइड रसायन त्वचा के रोग पैदा करता है। वायुमंडल, झीलें, तालाब, नदियाँ प्रदूषित हो जाती

Scanned with CamScanner

है, जिससे मानव, पशु-पक्षियों तथा वनस्पतियों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

5. प्लास्टिक जनित प्रदूषण को ठिकाने लगाने के तीन उपाय हैं —
1. बेकार प्लास्टिक को गड्ढे में दबा दिया जाए।
2. बेकार प्लास्टिक को जला दिया जाए।
3. इसका दोबारा (पुनः) इस्तेमाल (चक्रण) किया जाए।

6. इस प्रदूषण से कैंसर, दमा, साँस के रोग, त्वचा के रोग, यकृत, मस्तिष्क आदि की बीमारियाँ होती हैं।

7. प्लास्टिक का पुनः चक्रण की शुरुआत सन 1970 ई० में कैलीफोर्निया की एक कंपनी ने की थी।

8. सन 1999 ई० में केंद्र सरकार ने प्लास्टिक जनित प्रदूषण को रोकने के नियम बनाए थे।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

1. शिक्षामंत्री 2. अर्चना जी 3. दः
4. प्लाटीकोस 5. 1970, कैलीफोर्निया

पाठ - 8
क्या निराश हुआ जाए.

कठिन शब्दों के अर्थ.

आरोप = दोष, अतीत = पुराना, गह्वर = गड्ढे,
माहौल = वातावरण, आस्था = विश्वास, निषेध = रोक,
संयम = काबू, दरिद्र = गरीब, प्रयत्न = कोशिश,
अवस्था = हालत, विकार = बुराई, पर्याप्त = काफी,
नष्ट = समाप्त, चकित = हैरान, आक्रोश = गुस्सा
व्याकुल = बेचैन, विश्वासघात = धोखा, संभावना = उम्मीद

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर.

उत्तर-1: लेखक का कहना है कि आज भी भारतवर्ष में सेवा, ईमानदारी और सच्चाई के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, नष्ट नहीं हुए हैं। आज भी सामान्य व्यक्ति भारतीय महिलाओं का सम्मान करते हैं, झूठ बोलना और चोरी करना पाप समझता है, सेवा करना अपना धर्म समझता है। रेलवे स्टेशन पर टिकट बाबू द्वारा लेखक को ढूँढ कर नब्बे रुपए वापस करना तथा बस कंडक्टर द्वारा लेखक के बच्चे के लिए दूध और पानी लाना इसी बात के प्रमाण है।

उत्तर-2: एक बार माधव अपने घर से बाज़ार जा रहा था, कि रास्ते में उसे नोटों से भरा एक पर्स मिला। रुपये देखकर उसकी आँखें चमक उठी। किंतु सहसा उसके अंतर्मन से आवाज़ आई कि यह क्या कर रहा है? उसका मन झंकृत हो उठा। उसने सोचा यह बटुए जिस किसी का है उसे कितनी कठिनाई हो रही होगी। अतः उसने उस बटुआ को उसके असली मालिक को पहुँचाने की ठानी। माधव ने बटुए के मालिक से बटुए के बारे में यथासंभव जानकारी प्राप्त कर उन्हें वह नोटों से भरा बटुआ लौटा दिया। बटुए के मालिक ने इनाम

के रूप में माधव को 400 रुपए देने चाहे, लेकिन माधव ने विनम्रता के साथ मना कर दिया। माधव का इस प्रकार रूपये न लेना उसकी ईमानदारी और दूसरों की सहायता करने की प्रवृत्ति को उजागर करती है।

प्र० "झूठ और फरेब करने वाले फल-फूल रहे हैं।"

उत्तर "झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं" इसका परिणाम यह निकल रहा है कि झूठ, धोखेबाज़ और मूर्ख मनुष्य जीवन में गति कर रहे हैं। जबकि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले भोले-भाले लोग पिस रहे हैं। उनका जीवन अंधकार की गर्द में खोने लगा है। उनकी ईमानदारी बेईमानों की दुनिया में उनके लिए गले की फांस बन गई है। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था हिलने लगी है।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें : (उत्तर)

1. मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है।
2. ईमादारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है।
3. भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है।
4. उसके चेहरे पर विभिन्न संतोष की गरिमा थी।
5. कैसे कहूँ कि मनुष्यता एकदम समाप्त हो गई।

पाठ - 9.
कामचोर

कठिन शब्दों के अर्थ
वाद-विवाद = बहस, ऊधम = शोर मचाना, ख्याल = देखना, हरगिज़ = बिल्कुल, दुहाई = कसम, मैली = गंदी, बेदम = बिना दम, मज़ाल = हिम्मत, कायल = दीवाना, तनख्वाह = वेतन, मातम = शोक, दालान = बरामदा, सूप = दाल का पानी, ठूसम ठास = धक्का- मुक्की, शाही- फ़रमान = राजा का आदेश, याचना = माँगना

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर

उत्तर-1 कहानी में 'मोटे-मोटे' शब्द घर के बच्चों के लिए प्रयोग किया गया है। यह शब्द बच्चों के लिए इसलिए प्रयुक्त हुआ है क्योंकि वे घर में सारा दिन कोई काम नहीं करते हैं। केवल और केवल प्रत्येक वस्तु को लाने का आदेश देते रहते हैं। कुल मिलाकर वे एकदम कामचोर हो चुके हैं। इसलिए लेखिका ने घर के बच्चों को 'मोटे-मोटे' कह कर संबोधित किया है।

उत्तर-2: बच्चों के ऊधम मचाने के बाद घर की दशा अत्यंत बिगड़ गई थी। घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त हो गया था। सबसे पहले फर्शी दरी की हालत बुरी हो गई थी। उसके ऊपर पानी डालकर उसे कीचड़ युक्त बना दिया गया था। इसके बाद घर के बरतनों से तोड़-फोड़ की गई थी। मुर्गियों से इधर-उधर दौड़ाया गया था।

उत्तर-3: अम्मा ने ये शब्द, "या तो बच्चा-राज कायम कर लो"

Scanned with CamScanner

तब बाहे जब घर के बच्चों ने घर में भयंकर उपद्रव मचा दिया। सारा सामान कूड़े-कर्कट के समान लग रहा था। घर की दशा दुर्दशा में बदल चुकी थी। अम्मा के कथनों का यह परिणाम निकला कि पिताजी ने सभी बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा करके पूरी बटालियन का कोर्ट मार्शल कर दिया। उन्हें चेतावनी भी दे डाली कि अगर किसी वस्तु को हाथ लगाया तो उसका रात का खाना बंद हो जाएगा।

उत्तर-4. 'कामचोर' कहानी हमें यह संदेश देती है कि आलस्य जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है। कामचोर व्यक्ति का कोई साथ नहीं देता है। सभी उसे निकम्मा और नकारा समझते हैं। इसलिए कहानी का संदेश है सभी को अपना कार्य करना चाहिए, न कि बैठे-बैठे आदेश देना चाहिए। अपना कार्य स्वयं करने वाले जीवन में उन्नति को प्राप्त करते हैं। कहानी में माता-पिता द्वारा बच्चों को डाँटने का दृश्य दिखाकर लेखिका बताना चाहती है कि कामचोरों की कहीं पर भी इज्जत और सम्मान नहीं होता।

उत्तर-5: बच्चों का ये निर्णय कि 'अब हम हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे': बिल्कुल गलत है। इस निर्णय का सबसे बड़ा दोष उनकी बाल-प्रवृति है। इससे उनके मन में आलस्य की भावना बढ़ती जाएगी। आयु के साथ उनकी विचारधारा और भी अधिक पक्की होती जाएगी। वे जीवन में अपने आप कोई भी कार्य कभी नहीं कर पाएँगे। आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

Scanned with CamScanner

नीचे लिखे शब्दों के उपसर्ग बनाइए ;
प्र, आ, भर, बद.

उत्तर :

उपसर्ग	शब्द
1. प्र	= प्रयास, प्राप्त, प्रबल, प्रगति, प्रसन्न, प्रवास, प्रयत्न
2. आ	= आजन्म, आचरण, आश्रम, आदान, आजीवन
3. भर	= भरपेट, भरपाई, भरमार, भरपूर
4. बद	= बदनाम, बदमाश, बदसूरत, बदबू.

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें.

1. आखिर ये मोटे-मोटे किस काम के हैं।
2. लीजिए पानी के मटकों के पास ही घमसान युद्ध हो गया।
3. अब सब आँगन से भी निकाले गए।
4. इधर यह प्रलय मची थी, उधर दूसरे बच्चे भी लापरवाह नहीं थे।
5. इन्हें किसी करवट शांति नहीं।

———— o ————

पाठ - 10
जीवन नहीं मरा करता है

कविता का सार.

प्रस्तुत कविता का कहना है जीवन से निराश होकर छिपछिप कर आँसू बहाकर तुम व्यर्थ ही अपने आँसुओं रूपी मोतियाँ को लुटा रहे हो। जीवन तो चलता ही रहता है। क्या हुआ यदि आज सपने साकार न हो सके, किंतु फिर से उन सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष कर सकते हो। जैसे कुछ खिलौने टूट जाने पर बचपन नहीं मरता। घड़े टूट जाने पर पनघट नहीं मरा करता। अत: तुम्हें जीवन में निरंतर संघर्ष करते रहना है।

(अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर)

उत्तर-1 : 'जीवन नहीं मरा करता है' कविता में कवि ने कहा है कि संसार के दु:खों से दु:खी होकर रोना व्यर्थ है। कुछ सपने यदि पूरे नहीं होते तो इसका अर्थ यह नहीं कि जीवन मर जाता है।

उत्तर-2 : क, विपत्ति से घबरा कर रोने वालों को।
ख, बीती हुई बातों को याद करन वालों को।
ग, नाशवान शरीर को अमर समझने वालों को।
घ, अज्ञान और बुराई का प्रचार करने वालों को।

उत्तर-3 कवि कहता है कि मुसीबतों से घबराना अच्छी बात नहीं है। अगर कुछ सपने न भी पूरे हों तो भी जीवन नष्ट नहीं होता। पतझड़ आने का यह अर्थ

नहीं कि उपवन खत्म हो जाएगा।

उत्तर-4: सपना आँखों की सेज पर सोया हुआ आँख का पानी है। उसका टूटना स्वाभाविक है। यह जवानी की कच्ची नींद खुलने के समान है।

उत्तर-7: मनुष्य पैदा होता है और मर जाता है। यह क्रम लगातार चलता रहता है। किसी व्यक्ति के मरने से आज तक कोई शून्यता नहीं रही। संसार का चक्र सदा चलता रहता है।

उत्तर-8: फूल की गंध आत्मा के समान अविनाशी है यह नष्ट नहीं होती। माली उपवन को भले ही नष्ट कर दे, परंतु वह फूल की गंध को नष्ट नहीं कर सकता। फूलों की गंध तो बिखर कर चारों ओर फैल जाती है।

रिक्त स्थान भरें:

1. 'जीवन नहीं मरा करता है' कविता के कवि गोपाल दास नीरज है।
2. छिप-छिप अश्रु बहाने वालो।
3. और टूटना है उसका ज्यों जागे कच्ची नींद जवानी।
4. चंद खिलौनों के खोने से बचपन नहीं मरा करता।
5. लाख करे पतझड़ कोशिश पर उपवन नहीं मरा करता।

पाठ-11 रिक्त स्थान भरें:

4. इसमे एक किरदार महात्मा जैसा था।
5. सिनेमा ज्यादा देसी हुआ।

Scanned with CamScanner

पाठ - 11
जब सिनेमा ने बोलना सीखा

कठिन शब्दों के अर्थ

सजीव = जीवधारी, मुर्दा = मरा हुआ, तारीख = तिथि, पटकथा = फिल्म की कहानी या नाटक की कहानी, वक्त = समय, चर्चित = प्रसिद्ध, विनम्र = सरल, खिताब = पुरस्कार, अभिनय = नाटक करना, कद्र = प्रवाह, देह = शरीर, दैनिक = प्रतिदिन, स्टाइल = अंदाज, सवाक् = बोलते हुए

अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर

उत्तर-1 : जब पहली बोलती फ़िल्म प्रदर्शित हुई तो उसके पोस्टरों पर लिखा था 'वे सभी सजीव हैं, साँस ले रहे हैं, शत-प्रतिशत बोल रहे थे, अठहत्तर मुर्दा इन्सान, जिंदा हो गए, उनको बोलते, बातें करते देखो। हाँ पोस्टर पढ़कर यह स्पष्ट रूप से बताया जा सकता है कि प्रथम सवाक् फिल्म में अठहत्तर चेहरे थे।

उत्तर-2 पहली बोलती सिनेमा बनाने के लिए फिल्मकार अर्देशिर एम० ईरानी को प्रेरणा सन 1929 में हॉलीवुड की एक बोलती फ़िल्म 'शो बोट' से मिली। उन्होंने आलम आरा फिल्म का आधार एक पारसी रंगमंच के लोकप्रिय नाटक से लिया। यह फिल्म 'अरेबियन नाइट्स' जैसी फैंटेसी थी।

उत्तर-3: विट्ठल को 'आलम आरा' फिल्म में नायक की

की भूमिका से इसलिए हटाया गया था क्योंकि उन्हें उर्दू बोलने में कठिनाई आती थी। वह संवादों को ठीक से बोल नहीं पाते थे। इसलिए उन्हें नायक की भूमिका से हटा दिया गया, लेकिन उन्होंने इसे अपना अपमान समझा और न्यायालय में मुकदमा दायर कर दिया। इनका मुकदमा उस समय के जाने माने वकील मोहम्मद अली जिन्ना ने लड़ा। इस मुकदमे में विट्ठल की जीत हुई और वह पुनः 'आलम आरा' फिल्म के नायक बना दिए गए।

उत्तर-५ : प्रथम सवाक् फ़िल्म के निर्माता निर्देशक अर्देशिर को जब सम्मानित किया गया तो उनके सम्मान में सम्मानकर्ताओं ने उन्हें 'भारतीय सवाक् फ़िल्मों का पिता' कहा।
अपने लिए ऐसे शब्द सुनकर अर्देशिर बोले, "मुझे इतना बड़ा खिताब देने की ज़रूरत नहीं है। मैंने तो देश के लिए अपने हिस्से का ज़रूरी योगदान दिया है।" वह भारतीय संस्कृति और गौरव का सम्मान करते थे। वह देश सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानते हैं। इसलिए मिलने वाले पुरस्कार को वह देश के लिए आवश्यक योगदान मानते थे।

रिक्त स्थान भरे :

1. देश की पहली सवाक् बोलती फ़िल्म आलम आरा के पोस्टरों पर विज्ञापन की ये पंक्तियाँ लिखी हुई थीं।
2. फ़िल्म ने हिंदी-उर्दू मेलवाली हिंदुस्तानी भाषा को लोकप्रिय बनाया।
3. यह फ़िल्म 14 मार्च 1931 को मुंबई में मैजेस्टिक सिनेमा में प्रदर्शित हुई।

Scanned with CamScanner

(हिन्दी व्याकरण)

1. निबंध .
   1. मेरे जीवन का उद्देश्य । मेरे जीवन का लक्ष्य
   2. मेरा प्रिय प्रदेश
   3. विज्ञान - वरदान या अभिशाप
   4. खेलों का लाभ । शिक्षा में खेल - कूद का महत्व

2. पत्र .
1. अपने मुख्याध्यापक को अपनी फीस माफ़ करवाने के लिए कारण बताते हुए प्रार्थना - पत्र लिखिए ।
2. अपने पिता जी को पत्र लिखो जिसमें अपनी परीक्षा में उत्तीर्ण होने की सूचना देते हुए खर्चों के लिए रुपए मंगवाओ ।
3. अपने मुख्याध्यापक को छात्रवृत्ति के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए !
4. पुस्तके मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखें ।

3. मुहावरे (1-30)

4. विलोम (1-30)
5. पर्यायवाची (1-30)
6. लिंग (1-30)
7. वचन (1-30
8. विशेषण रचना : अवस्थाएँ (
9. संज्ञा किसे कहते है? तथा : उनके भेद लिखें ।, उदाहरण
10. सर्वनाम किसे कहते है ? तथा उसके सहित लिखो कितने भेद है ? उदाहरण सहित लिखो